महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना

उद्घाटन समारोह

दिनांकः 01 जून 2012

स्थानः राजेन्द्र भवन ओसवाल पंच महात्मा गांधी रोड़, राणापुर

जिला झाबुआ (मध्यप्रदेश)

झाबुआ जिलाधीश सुश्री जयश्री कियावत कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए

संगठन से ही होता है शक्ति का विकास

‘‘विकास की गति प्राप्त करने के लिए संगठित होने की आवश्यकता होती है। संगठन में आकर ही अपनी शक्ति को बढ़ाया जा सकता है तथा संगठित होकर ही शक्ति का विकास किया जा सकता है। हमारा आदिवासी बाहुल्य जिला है। पिछलें अनेक वर्षो से जिले में लगातार विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से विकास के कार्य किए जा रहे है तथापि महिलाओं का विकास करने के लिए और आगे आने की आवश्यकता है।‘‘

यह बात मुख्य अतिथि कलेक्टर झाबुआ महोदया द्वारा महिला किसान सशक्तिकरण कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान ने कहीं। जिसे **आसा संस्था** द्वारा राजेन्द्र भवन ओसवाल पंच एम.जी. रोड़ राणापुर में आयोजित किया गया था।

उन्होनें कहा ‘‘मुझे खुशी है कि **आसा संस्था** ग्रामीण क्षेत्रों के छोटे किसानों के लिए किसान उत्पादक कंपनीयां गठित कर रही है। इसमें किसानों को उचित मुल्य पर खाद, बीज एवं दवाईया उपलब्ध हो पाएगी।‘‘

इस कार्यक्रम में इसमें मुख्य अतिथि आरदणीय कलेक्टर झाबुआ महोदया के साथ विशेष अतिथि के रूप में एस.डी.एम. झाबुआ श्री सी.एस. सोलंकी, सहायक कृषि विकास अधिकारी श्री आर.बी.एस.तोमर तथा श्री आई.एस. तोमर जिला परियोजना संमन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र झाबुआ ने भी विचार प्रस्तुत किये।

आसा संस्था की ओर से श्री एच.बी.द्विवेदीए श्री आर.सी पटेल भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

कार्यक्रम के अंत में आभार श्री अनिल परिहार टीम लीडर आसा संस्था झाबुआ ने माना।

कार्यक्रम में लगभग 625 महिला कृषक एवं लगभग125 अन्य कृषक शामिल हुए।

महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसमें महिलाओं को समूहके माध्यम से संगठित कर उन्हें कृषि विकास, जल संवर्धन, वित्त प्रबंधन आदि के गुर सिखाएं जाएगे एवं महिला कृषक समूहों की उत्पादक कंपनियां बनाई जाएगी। इसके माध्यम से उनकी कृषि आदानों की आपूर्ति एवं कृषि उत्पादों के विपणन समस्या का समाधान होगा।

महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना को आसा संस्था द्वारा झाबुआ जिले के राणापुर विकासखण्ड के राणापुर प्रक्षेत्र के ग्रामो में संचालित किया जा रहा हैं।

कार्यक्रम उपस्थित महिला कृषक

कार्यक्रम अखबारों की सुर्खियों में

विनय उजाला

महिला किसान सशक्तिकरण कार्यक्रम सम्पन्न

झाबुआ (जिसं)। राणापुर में महिला किसान सशक्तिकरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर जयश्री कियावत ने कहा कि महिलाएं कार्यक्रम में बताई जा रही उपयोगी तकनीको को खेती में अपनाये। नई-नई उन्नत तकनीकों का उपयोग खेती में करे। जैविक खेती को बढ़ावा दे। खेती में अनाज उगाने के साथ-साथ सब्जी फल भी लगाये। अपने बच्चो को स्कूल जरूर भेजे। परिवार को सीमित रखने के लिए परिवार कल्याण को अपनाये। कार्यक्रम में एसडीएम श्री सोलंकी, सहायक संचालक कृषि श्री त्रिवेदी, सहायक संचालक उद्यानिकी श्री कनेश सहित कृषक महिलाएं उपस्थित थी।

पत्रिका
इंदौर, बुधवार
06.06.2012

महिला किसान बनेगी आत्मनिर्भर

रानापुर में महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना का शुभारंभ

झाबुआ
jhabua@patrika.com

रानापुर में महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना का शुभारंभ गत दिनों कलेक्टर जयश्री कियावत ने किया। परियोजना के तहत महिला छोटी-छोटी समितियां बनाकर खाद, बीज का उत्पादन करेंगी ताकि किसानों को उचित मूल्य और समय पर खाद-बीज उपलब्ध हो जाए।

परियोजना का शुभारंभ राजेंद्र भवन में हुआ। इस मौके पर कलेक्टर कियावत ने कहा कि परियोजना से महिलाएं भी आत्मनिर्भर बन रही है। महिला सशक्तिकरण का महिलाएं अधिक से अधिक फायदा उठाएं। संस्था ग्रामीण क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रही है। इस मौके पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी।

1. कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं।
2. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर जयश्री कियावत

भारत सरकार की यह महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसमें महिलाओं को समूह के माध्यम से संगठित कर उन्हें कृषि विकास, जल संवर्द्धन, वित्त प्रबंधन के गुर सिखाए जाएंगे। यह परियोजना रानापुर के 25 गांवों में चलाई जा रही है। इसमें एक उत्पादक कंपनी का भी गठन किया जाएगा।

खेती में उन्नत तकनीक अपनाएं

महिला किसान सशक्तिकरण कार्यक्रम संपन्न

झाबुआ. रानापुर में शुक्रवार को महिला किसान सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथि बतौर कलेक्टर जयश्री कियावत ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर कियावत ने कहा कि महिलाएं इस कार्यक्रम में बताई जा रही उन्नत तकनीकों को अपना कर खेती करें। उन्होंने कहा कि उन्नत तकनीक व जैविक खेती से ज्यादा मुनाफा कमाया जा सकता है। खेत में अनाज के साथ-साथ सब्जी भी उगाए। खेत की मेड़ पर फलदार पौधे लगाना भी लाभकारी है। कलेक्टर कियावत ने कहा कि छोटा परिवार सुखी परिवार होता है इसलिए परिवार नियोजन को अपनाए। साथ ही अपने बच्चों को स्कूल जरूर भेजें। कार्यक्रम में सहायक संचालक कृषि जीएस त्रिवेदी व सहायक संचालक उद्यानिकी आशीष कनेश ने खेती व उद्यान से संबंधित विभिन्न जानकारियां दी। कार्यक्रम को एसडीएम सोएल सोलंकी ने भी संबोधित किया।

इंदौर • बुधवार, 6 जून, 2012 4 दैनिक भास्कर

महिला किसान सशक्तिकरण कार्यक्रम में उपस्थित कलेक्टर जयश्री कियावत।

कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीण महिलाए।

प्रार्थना की।

महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना का उद्घाटन संपन्न

झाबुआ। विकास की गति में जुड़ने के लिए संगठित होने की आवश्यकता है। संगठन में आकर ही अपनी शक्ति को बढ़ाया जा सकता है। इससे संगठित होकर शक्ति का विकास किया जा सकता है।

संस्था द्वारा विगत कुछ वर्षों से संस्था लगातार विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से योगदान दे रही है तथा महिला किसानों को महिला विकास संशक्तिकरण परियोजना के माध्यम से महिलाएं अधिक से अधिक लाभ प्राप्त कर सकती है।

जिसका माध्यम आसा संस्था द्वारा राणापुर के राजेंद्र भवन ओसवाल पंच एमजी रोड राणापुर में आयोजित महिला किसान सशक्तिकरण के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि कलेक्टर महोदय ने यह बात कही। उन्होंने कहा मुझे खुशी है कि उक्त संस्था ग्रामीण क्षेत्रों को छोटे-छोटे किसानों के लिए किसान उत्पादक कंपनिया गठित कर रही है। इसमें किसानों को उचित मूल्य पर खाद, बीज एवं दवाईया उपलब्ध हो पाएगी। कार्यक्रम का संचालन संस्था के एचबी द्विवेदी एवं आभर आरसी पटेल व अनिल परिवार ने माना।

महिलाए सिखेगी गुर-उक्त कार्यक्रम में ६२५ महिलाएं व १२५ पुरूष शामिल हुए। कार्यक्रम में महिलाओं को समूह के माध्यम से संगठित कर उन्हें कृषि विकास, जल संवर्धन, वित्त प्रबंधन के गुर सिखाए जाएंगे। महिला किसानों की एक उत्पादक कंपनी का गठन किया जाएगा। इसके माध्यम से उनकी कृषि आदानों की आपूर्ति एवं उत्पादों के विपणन की समस्या का समाधान होगा।

प्रसारण

झाबुआ मंगलवार 5 जून 2012 8

महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना का उद्घाटन संपन्न

झाबुआ। विकास की गति में जुड़ने के लिए संगठित होने की आवश्यकता है। संगठन में आकर ही अपनी शक्ति को बढ़ाया जा सकता है। इससे संगठित होकर शक्ति का विकास किया जा सकता है। संस्था द्वारा विगत कुछ वर्षों से संस्था लगातार विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से योगदान दे रही है तथा महिला किसानों को महिला विकास सशक्तिकरण परियोजना के माध्यम से महिलाएं अधिक से अधिक लाभ प्राप्त कर सकती है, जिसका माध्यम आसा संस्था द्वारा राणापुर के राजेंद्र भवन ओसवाल पंच एम जी रोड राणापुर में आयोजित महिला किसान सशक्तिकरण के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि कलेक्टर महोदय ने यह बात कही। उन्होंने कहा मुझे खुशी है कि उक्त संस्था ग्रामीण क्षेत्रों को छोटे-छोटे किसानों के लिए किसान उत्पादक कंपनिया गठित कर रही है। इसमें किसानों को उचित मूल्य पर खाद, बीज एवं दवाईया उपलब्ध हो पाएगी। कार्यक्रम का संचालन संस्था के एच. बी. द्विवेदी एवं आभर आरसी पटेल व अनिल परिवार ने माना।

उक्त कार्यक्रम में ६२५ महिलाएं व १२५ पुरूष शामिल हुए। कार्यक्रम में महिलाओं को समूह के माध्यम से संगठित कर उन्हें कृषि विकास, जल संवर्धन, वित्त प्रबंधन के गुर सिखाए जाएंगे। महिला किसानों की एक उत्पादक कंपनी का गठन किया जाएगा। इसके माध्यम से उनकी कृषि आदानों की आपूर्ति एवं उत्पादों के विपणन की समस्या का समाधान होगा।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी श्रेणिक कोठारी के लिए प्रसारण आफसेट इंदौर रोड प्रसारण नगर शाहीद से मुद्रित तथा सज्जन रोड पानी की टंकी के सामने, झाबुआ ४५७६६१ से प्रकाशित। फोन : २४३४०३
प्रधान सम्पादक : श्रेणिक कोठारी